कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
मंडोर – 342 304, जोधपुर, राजस्थान
(Agriculture University Jodhpur)
MANDOR -342 304, Jodhpur, Rajasthan

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

अनुसंधान परिषद की तृतीय बैठक सम्पन्न

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर में आज दिनांक 16 मार्च, 2019 को अनुसंधान परिषद की तृतीय बैठक प्रातः 11.30 बजे आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रो. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने की। सर्वप्रथम डॉ0 बी.आर. चौधरी, निदेशक अनुसंधान ने बैठक में आये हुए विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिष्ठाता एवं कृषि विभाग के डॉ बी0के0 त्रिवेदी एवं श्री जे0एन0 स्वामी तथा डॉ त्रिलोक सिंह पूर्व निदेशक आफरी, का स्वागत किया । उपरोक्त बैठक में सर्वप्रथम द्वितीय अनुसंधान परिषद के कार्यवृत्त विवरण की पृष्टि की गई। इसके पश्चात् खरीफ 2017, रबी 2017–18 एवं खरीफ 2018 में अनुसंधान में प्राप्त किये गये उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें लगभग 24 सिफारिशें, जोन प्रथम अ तथा 16 सिफारिशें जोन द्वितीय बी हेतु सम्मिलित की गई। साथ ही विश्वविद्यालय में किये गये कुल बीज उत्पादन कार्यक्रम की जानकारी दी इससे लगभग 6 से 7 करोड़ का बीज विश्वविद्यालय द्वारा उत्पादित किया गया। नई फसलें जैसे चिया, क्विनोवा, असालिया से सम्बन्धित अनुसंधान कार्यो के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा निजी कम्पनियों के द्वारा रसायनों की जांच हेतु दिये जाने वाले फीस में बढ़ोतरी की जानकारी दी गई। साथ ही इन्होंने बाजरा का बीज उत्पादन के लिये छः निजी कम्पनियों के साथ किये गये एम0ओ0यू0 के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय द्वारा पिछले दो वर्षो में 200 क्विंटल से अधिक संकर बाजरा बीज का उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया गया। इसी प्रकार विभिन्न उत्पादों के परीक्षण हेतु लगभग 90 लाख रू पिछले तीन वर्षो में प्राप्त हुऐ। डॉ बी आर चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत् विश्वविद्यालय को 20 करोड से अधिक की राशि आवंटित की गई है जिसमें अनुसंधान कार्य एवं आधारभूत ढ़ाचे का विकास एवं सुधार का कार्य किया है। इस वित्तीय वर्ष में लगभग 9.5 करोड का बजटीय प्रावधान किया गया है जिनमें मुख्य रूप से विभिन्न अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर चार दीवारी का कार्य, बीजों के मध्यम काल संरक्षण हेतु संग्रहण केन्द्र, किसानों के लिये प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि पर प्रकाश डाला गया। राज्य सरकार द्वारा खरीफ 2018 से रसियावास फार्म पर 135 क्विंटल और बिलाडा फार्म पर 57 क्विंटल बीज उत्पादन लिया गया। निदेशक अनुसंधान ने बताया कि विश्वविद्यालय को बीज उत्पादन हेतु भारत सरकार से 7 बीज हब का आवंटन किया गया है उसमें से 5 बीज हब के लिये पैसा प्राप्त हो चुका है। प्रो0 बलराज सिंह, माननीय कुलपति ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा पिछले तीन वर्षो में अनुसंधान, बीज उत्पादन तथा आधारभूत ढ़ाचे में हुऐ विकास कार्यो की सराहना की तथा भविष्य में और अधिक सुधार और किसानों के आवश्यकतानुसार बीज उत्पादन किये जाने का आह्वान किया। आमंत्रित अतिथियों ने भी अनुसंधान के क्षेत्रों में किये गये कार्यो की प्रशंसा की।